Class - 6th
विषय - हिन्दी

पाठ - 2

बचपन

(संस्मरण)

लेखिका - कृष्णा सोबती

शब्द	—	अर्थ
सयाना	—	बड़ा
शताब्दी	—	एक सौ सालों का समय
फ्रिल	—	झालर
टँकी थी	—	सिली थी
चलन	—	रिवाज
आरामदेह	—	आराम देने वाली
मिचली	—	के, गल्तियाँ करने का मन होना
दिलचस्पियाँ	—	रुचियाँ
कैस्टर ऑयल	—	गाढ़ी चिकनाई वाला तेल
ऑलिव ऑयल	—	जैतून का तेल
मनभावनी	—	मन को अच्छी लगने वाली
निरा	—	केवल, मात्र

Scanned with CamScanner

शब्द	—	अर्थ
हृष्ट-पुष्ट	—	ताकतवर
रौनक	—	सुन्दरता
अटपटा लगना	—	ठीक न लगना
ऐनक	—	चश्मा
आश्वासन	—	भरोसा
सूझना	—	दिखाई देना
खीजना	—	चिढ़ना
सहजता	—	आसानी से
सुभीते	—	सुविधाजनक

प्रश्न — उत्तर

अतिलघूत्तरीय प्रश्न :-

प्र०1→ लेखिका को परिवार में सब क्या कहकर बुलाते थे?

उ०→ लेखिका को परिवार में सब जीजी कहकर बुलाते थे।

प्र०2→ कन्फेक्शनरी काउंटर पर क्या मिलता था?

उ०→ कन्फेक्शनरी काउंटर पर तरह-तरह की पेस्ट्री और चॉकलेट मिला करते थे।

प्र०3→ ऐनक से छुटकारा पाने के लिए डॉक्टर ने क्या सलाह दी?

उ०→ ऐनक से छुटकारा पाने के लिए डॉक्टर ने लेखिका को दूध पीने की सलाह दी।

Scanned with CamScanner

प्र०४→ लेखिका के पहनने-ओढ़ने में क्या बदलाव आए हैं?

उ०→ लेखिका पहले रंग-बिरंगे कपड़े पहनती थी, जैसे- नीले, जामुनी, काले व चाकलेटी रंग के, लेकिन अब लेखिका का मन करता है कि वह सफेद तथा हल्के रंग के वस्त्र पहने।

प्र०५→ बचपन में लेखिका इतवार की सुबह कौन-कौन से काम करती थी?

उ०→ बचपन में लेखिका इतवार की सुबह अपने मौजे धोने तथा जूते पॉलिश करके चमकाने के काम करती थी।

प्र०६→ लंबी सैर पर निकलते समय लेखिका अपने पास क्या रखती थी? और क्यों?

उ०→ लंबी सैर पर निकलते समय लेखिका अपने पास रुई रखती थी, वह रुई मौजे के अन्दर पहनते समय रखतीं थीं, ऐसा करने से पैरों में छाले नहीं होते थे।

प्र०७→ शनिवार को लेखिका व उसके भाई-बहन को क्या पीना पड़ता था?

उ०→ शनिवार को उसके भाई-बहन को ऑलिव ऑयल व कैस्टर ऑयल पीना पड़ता था।

प्र०८→ लेखिका के बचपन की कौन-कौन सी खाने की चीजें बदल गई हैं?

उ०→ लेखिका के बचपन की कुल्फी आइसक्रीम हो गई है। कचौड़ी, समोसा पैटीज में बदल गए हैं। वहीं शहतूत, फालसे, खसखस के शर्बत कोक, पेप्सी में बदल गए हैं।

प्र०९→ लेखिका को चश्मा क्यों लगाना पड़ा? चश्मा लगाने पर उनके चचेरे भाई उन्हें क्या कहकर चिढ़ाते थे?

उ०→ लेखिका को चश्मा नजर कमजोर होने की वजह से लगाना पड़ा, लेखिका के चश्मा लगाने पर उनके चचेरे भाई उन्हें इसलिए चिढ़ाते थे क्योंकि जब कोई व्यक्ति पहली बार चश्मा लगाता है, तो सभी को कुछ अटपटा सा लगता है, लेखिका का चचेरा भाई उनकी सूरत को लंगूर की सूरत कहकर चिढ़ाता था।

Scanned with CamScanner

प्र०10→ लेखिका अपने बचपन में कौन-कौन सी चीजें मजा लेकर खाती थीं,

उ०→ लेखिका बचपन में कुल्फी, समोसा, ~~कर~~ गरम चने, अनारदाने का चूर्ण, चॉकलेट पेस्ट्री तथा फल मजे लेकर खाती थी।

प्र०11→ नीचे लिखे वाक्यों को पढ़ो और उनके सामने विशेषण के भेदों को लिखो।

		विशेषण	भेद
क→	मुझे दो दर्जन केले चाहिए। —	दो दर्जन	निश्चित संख्यावाचक
ख→	दो किलो अनाज दे दो —	दो किलो	" परिमाणवाचक
ग→	कुछ बच्चे आ रहे हैं —	कुछ	अनिश्चित संख्यावाचक
घ→	सभी लोग हँस रहे थे —	सभी	निश्चित संख्यावाचक
ङ→	तुम्हारा नाम बहुत सुंदर है—	बहुत,	" " "
		सुन्दर—	गुणवाचक

गृहकार्य →

- पाठ की तीन बार Reading करिए।
- अपने बचपन की कोई मनभोहक घटना याद करके विस्तार से लिखो
- पाठ के शब्दार्थ व प्रश्न-उत्तर याद करें।
- आप की समझ के अनुसार लेखिका के समय से आज के समय में, खाने-पीने व पहनने-ओढ़ने के क्या-क्या बदलाव आए हैं? लिखिए।

Scanned with CamScanner